भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1683

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

दादरा और नगर हवेली में पर्यटन को बढ़ावा देना

1683. श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत पांच वर्षों के दौरान और आज की तिथि तक, संघ राज्यक्षेत्र दादरा और नगर हवेली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिकता वाली परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है तथा इसके अंतर्गत कितनी निधि आवंटित की गई है;

(ख) क्या सरकार का पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संघ राज्यक्षेत्र दादरा और नगर हवेली को कोई विशेष पैकेज प्रदान करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा विशेष पैकेज की कब तक स्वीकृत किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार" (डीपीपीएच) और "समुद्रपारीय संवर्धन और प्रचार (ओपीपी)" नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न पहलों के माध्यम से दमण और दीव के गंतव्यों सहित भारत के गंतव्यों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। अपनी चल रही अपनी गतिविधियों के भाग के रूप में; यह भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संवर्धन के लिए नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान जारी रखता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से भी नियमित रूप से विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने किसी राज्य या संघ राज्यक्षेत्र विशेष के लिए कोई योजना नहीं बनाई है। पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', राष्ट्रीय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' नामक योजनाओं के अंतर्गत देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन संबंधी

अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से समय-समय पर प्रस्ताव प्राप्त होते रहते हैं। निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति और धन की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजनाओं के इन प्रस्तावों पर कार्रवाई की जाती है।

वर्ष 2014-15 में 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' योजना के अंतर्गत 'दीव किले में ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम' से संबंधित एक परियोजना के लिए 775.54 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, जिसमें से 620.43 लाख रुपये जारी किए गए थे। यह परियोजना भौतिक रूप से पूरी हो चुकी है।

****